



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

शासक से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 633] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर. 9 1988/अग्राहायण 18, 1910
NO. 633] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 9, 1988/AGRAHAYANA 18, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1988

सं. 293/88-केन्द्रीय उत्पादशुल्क

सा.का.नि. 1164(प्र):—केन्द्रीय सरकार: केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम
1944 (1944 का 1) जिसे इसमें इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिनियम कहा
गया है की धारा 5 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह

समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, किन्तु शत प्रतिशत निर्यातोनुखी उपक्रम में उत्पादित या विनिर्मित केन्द्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) जिसे इसमें इसके पश्चात केन्द्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम कहा गया है। की अनुसूची में विनिर्दिष्ट सभी उत्पादशुल्क माल को, केन्द्रा उत्पादशुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उदग्रहणीय जाने उत्पादशुल्क से छूट देती है जो निम्नलिखित के योग के बराबर रकम से अधिक है।

(i) किसी शत प्रतिशत निर्यातोनुखी उपक्रम से भिन्न किसी उपक्रम में भारत में उत्पादित या विनिर्मित होने वाले माल पर इस प्रकार प्रभावी शुल्क के संग्रह में केन्द्रीय सरकार द्वारा निकाली गई तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उदग्रहणीय उत्पादशुल्क का एक सौ पचास प्रतिशत; और

(ii) किसी शत प्रतिशत निर्यातोनुखी उपक्रम से भिन्न किसी उपक्रम में भारत में उत्पादित या विनिर्मित होने वाले माल पर इस प्रकार प्रभावी शुल्क के संग्रह में केन्द्रीय सरकार द्वारा निकाली गई तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिनियम की धारा 3 में भिन्न किसी विधि के अधीन उस पर उदग्रहणीय उत्पादशुल्क :

परन्तु इस अधिसूचना में अतिविष्ट छूट केवल ऐसे माल की बाबत लागू होगी जो भारत में उत्पादित या विनिर्मित कच्चे सामग्री से सम्बद्ध शत प्रतिशत निर्यातोनुखी उपक्रम द्वारा पूर्णतः उत्पादित या विनिर्मित किया जाता है।

[फा.सं. 357/21/88-टी एर यू]

टी. जयरमण, अव्वर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th December, 1988

No. 293/88-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1164(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the Central Excise Act), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all excisable goods specified in the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (hereinafter referred to as the Central Excise Tariff Act), produced or manufactured in a hundred per cent export-oriented undertaking, from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises Act as is in excess of the amount equal to the aggregate of—

- (i) one hundred and fifty per cent, of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule, read with any notification for the time being in force issued by the Central Government in relation to the duty so chargeable on the like goods produced or manufactured in India in an undertaking other than a hundred per cent export-oriented undertaking; and
- (ii) the duty of excise leviable thereon under any law other than section 3 of the Central Excises Act read with any notification for the time being in force issued by the Central Government in relation to the duty so chargeable on the like goods produced or manufactured in India in an undertaking other than a hundred per cent export oriented undertaking :

Provided that the exemption contained in this notification shall apply only in respect of such goods which are wholly produced or manufactured by the hundred per cent export-oriented undertaking concerned out of the raw materials produced or manufactured in India.

[F. No. 357/21/88-TRU]

T. JAYARAMAN, Under Secy.

